और अधिग्रहण आदि संबंधित विनियम को समाप्त कर दिया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव

- 1990 – 2018 से भारत की वार्षिक औसत विकास दर (जीडीपी) 6.7% रही है जो कि पूर्व सुधारों के काल से लगभग दोगुना है।
- औद्योगिक विकास दर – कुछ असाधारण वर्षों को छोड़कर, औद्योगिक क्षेत्र का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी अभी भी 29% (2017-18) है।
- विदेशी कंपनियों को भारतीय बाजारों में मुफ़्त पहुंच अवश्य मिली किन्तु घरेलू उत्पादों को गैर प्रतिस्पर्धी बना दिया।

निम्न स्तरीय औद्योगिक विकास दर के कारण

- भारत में सेवा क्षेत्र की तुलना में उद्योग क्षेत्र में कम उत्पादकता– 'असंगठित' क्षेत्र की प्रधानता (भारत में लगभग दो-तिहाई भागों में औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार मिला) |
- भारत में मजदूरी कम है। हालांकि, भारत में विनिर्माण क्षेत्र तुलनात्मक अन्य देशों की तुलना में अधिक पूंजी-गहन क्षेत्र है।
- कम उत्पादकता का एक कारण अपर्याप्त ढांचागत सुविधाएं हैं।
- भारत में बिजली क्षेत्र में ट्रांसमिशन और वितरण का नुकसान **20** प्रतिशत से अधिक है जो किसी भी देश की तुलना में अधिक है।
- राज्य के स्वामित्व वाली बिजली कंपनियां अक्षम हैं और चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं कर सकती हैं।
- विश्व बैंक के एक अध्ययन ने भारत को चीन की तुलना में व्यापार करने में आसानी (**ease of doing business**) के मामले में कम पाया है।
- जहाँ श्रम कानून केंद्र और राज्यों दोनों द्वारा अधिक जटिल बनाए गए हैं।
- भारत ने परिवहन संबंधी बुनियादी ढांचे में बहुत कम निवेश किया है, जिसके परिणामस्वरूप कनेक्टिविटी अच्छी नहीं है।
- भारत में ट्विन बैलेंस शीट की समस्या है।
- घरेलू अर्थव्यवस्था में कृषि का हिस्सा घटकर लगभग **17% (2017-18)** हो गया है। हालांकि, कृषि पर निर्भर लोग अभी भी लगभग **47%** हैं।
- कृषि विकास के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार हैं –

1. जीवन स्तर को ऊपर उठाना |
2. गरीबी को दूर करना |
3. खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना |
4. उद्योग और सेवाओं के विस्तार के लिए व्यापक बाजार तैयार करना |
5. राष्ट्रीय आर्थिक विकास में पर्याप्त योगदान देना |

निजीकरण

- निजीकरण में राज्यों की भूमिका को कम किया गया है |
- निजीकरण के तहत राज्य की संपत्ति को निजी क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया था।
- निजीकरण का एक और रूप है – विनिवेश।
- विनिवेश का अर्थ है - स्वामित्व हस्तांतरण का राज्य से निजी क्षेत्र की ओर।
- अगर राज्य के स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों के शेयरों की बिक्री 51 प्रतिशत हो गई है, तो स्वामित्व वास्तव में निजी क्षेत्र में स्थानांतरित हो जाता है, फिर इसे भी निजीकरण कहा जाता है।
- सामान्यत: सभी आर्थिक नीतियां जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निजी क्षेत्र या बाजार अर्थव्यवस्था के विस्तार को बढ़ावा देती हैं, उसे निजीकरण कहा गया है।

वैश्वीकरण

- वैश्वीकरण को देशों के बीच आर्थिक एकीकरण में वृद्धि के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- विश्व व्यापार संगठन (WTO) के लिए, वैश्वीकरण का आधिकारिक अर्थ "वस्तुओं और सेवाओं, पूंजी और श्रम बल की अप्रतिबंधित सीमा पार आवागमन" की दिशा में विश्व की अर्थव्यवस्थाओं को गति देने से है।
- वैश्वीकरण राष्ट्रीय आर्थिक सीमाओं से मुक्त आवागमन के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था का एकीकरण करना है: